राजस्व विभाग युद्ध जागीर दिनांक 3 दिसम्बर, 1982

क्रमांक 1788-ज(II)-82/42323.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे, हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(१ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सींपे गये ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री हर लाल, पुत्र श्री हर सहाय, गांव ढांगी बान्धवाला, तहसील नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1753-ज(I)-82/42327.—-पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में पपनाया गया है भीर उसमें आज तक संघोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के प्रनुसार सौपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री, प्यारे लाल, पुत्र श्री फल्लल, गांव मुंडावार, तहसील व जिला गुड़गावां, को रवी, 1976 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वाविक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाविक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई गांवी के अनुसार सहयं प्रदान करते हैं।

ं दिनांक 9 दिस∓बर, 1982

कमांक .1820-ज-(II)-82/43004.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्क़ार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सीने गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्याल श्री मांकूल सिंह, पुत श्री हंसा सिंह, गांव बलीयाली, तहसील बवानी खेड़ा, जिला भिजाती, की रखी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार संहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 16 दिसम्बर, 1982

क्रमांक 1835-ज(II)-82/43706.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुष्टकार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री राम दत्त, पुत्र श्री फूल सिंह, गांव माजरी, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, को खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाषिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपए वाषिक की मत की युद्ध जाग़ीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1819 ज-(II)82/43719.—श्री चेत राम, पुत्र श्री घनक्याम, गांव पालड़ी, तहसील चरखी दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 9 जनंबरी, 1980 को हुई मृत्यु के परिणाम स्त्रहण हरियांणा के राज्यपाल, गूर्वी पंजाब युद्ध पुत्र स्वार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियांणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रौर उसमें ग्राज तक संग्रोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चेत राम को मुख्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियांणा सरकार की ग्रधिसूचरा क्रमांक 12749-जे०-एन०-III-65/1243, दिनांक 25 जनवरी, 1966 तथा ग्रधिसूचना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हारा मंजूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्रीमती दान कौर के नाम खरीक, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1834-ज(II)-82/43723.—श्री मंगतु राम, पुत्र श्री धन्ता राम, गांव बुढ़बाल, तहसील नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 31 जुलाई, 1980, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्यु में अपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री मंगतु राम को मुल्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1152-ज (I)-72/17364, दिनांक 11 मई, 1972 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती दड़कली देवी के नाम रुबी, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शृती के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।